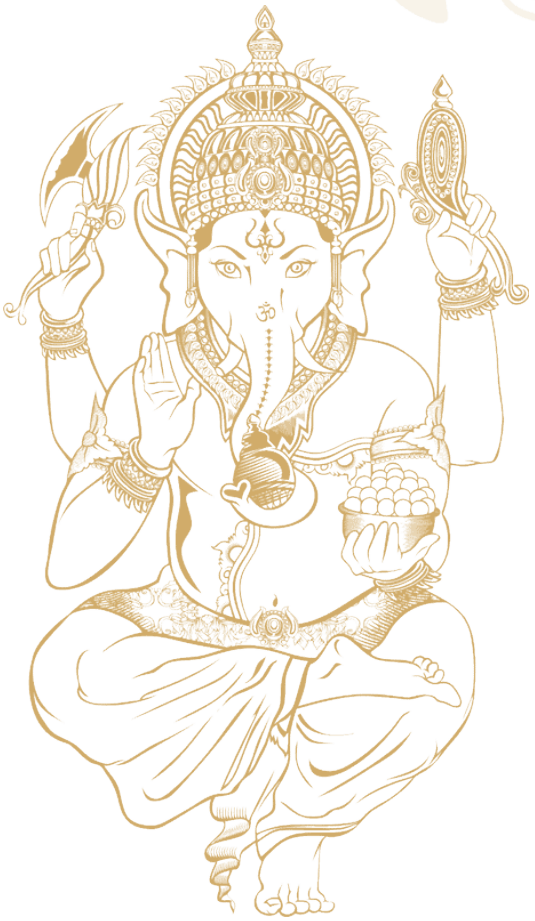

Mr.

09 Oct 1996

09:30 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121319103

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**09/10/1996**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**21:30:00 घंटे**
इष्ट	37:58:23 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:08:52 घंटे
वेलान्तर	00:12:45 घंटे
साम्पातिक काल	22:23:03 घंटे
सूर्योदय	06:18:38 घंटे
सूर्यास्त	17:57:45 घंटे
दिनमान	11:39:06 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	22:49:17 कन्या
लग्न के अंश	26:16:36 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 2**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	शुक्ल
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टा-टाटा
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	26:16:36	348:35:24	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	गुरु	---
सूर्य			कन्या	22:49:17	00:59:19	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	सूर्य	सम राशि
चंद्र			सिंह	19:19:40	12:07:39	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मित्र राशि
मंगल			कर्क	24:21:40	00:35:23	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	नीच राशि
बुध			कन्या	06:59:50	01:32:04	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	बुध	उच्च राशि
गुरु			धनु	16:00:15	00:06:25	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	स्वराशि
शुक्र			सिंह	12:36:47	01:10:09	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	शत्रु राशि
शनि	व		मीन	09:09:52	00:04:29	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
राहु			कन्या	14:13:37	00:00:48	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	मूलत्रिकोण
केतु			मीन	14:13:37	00:00:48	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मक	06:49:46	00:00:01	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	बुध	---
नेप			मक	01:10:00	00:00:06	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	07:29:31	00:01:50	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	---
दशम भाव			कुंभ	10:02:51	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:45

लग्न-चलित

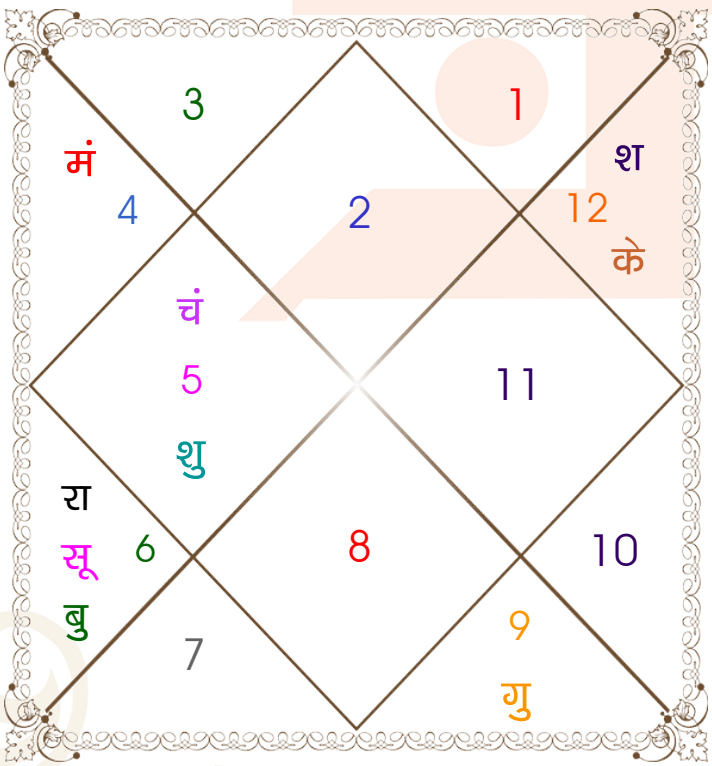

चन्द्र कुंडली

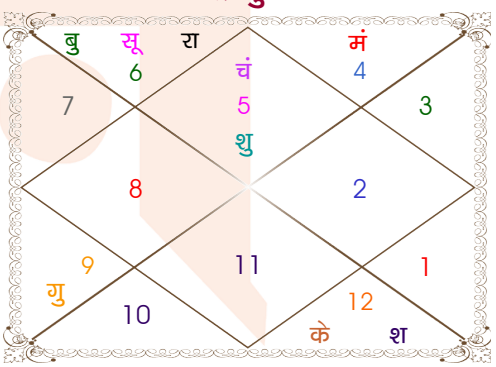

नवमांश कुंडली

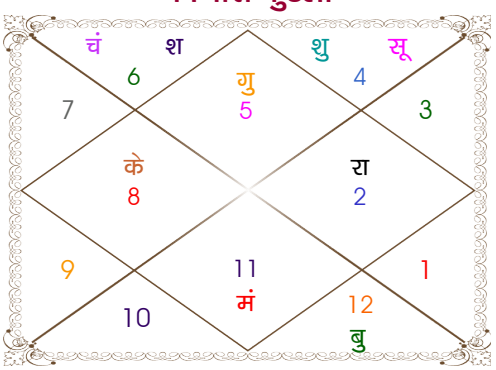

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 11 वर्ष 0 मास 3 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
09/10/1996		13/10/2007		13/10/2013		13/10/2023		13/10/2030	
13/10/2007		13/10/2013		13/10/2023		13/10/2030		12/10/2048	
	00/00/0000	सूर्य	31/01/2008	चंद्र	13/08/2014	मंगल	10/03/2024	राहु	25/06/2033
	00/00/0000	चंद्र	31/07/2008	मंगल	14/03/2015	राहु	29/03/2025	गुरु	19/11/2035
	00/00/0000	मंगल	06/12/2008	राहु	12/09/2016	गुरु	05/03/2026	शनि	25/09/2038
	09/10/1996	राहु	31/10/2009	गुरु	12/01/2018	शनि	14/04/2027	बुध	13/04/2041
राहु	13/12/1997	गुरु	19/08/2010	शनि	13/08/2019	बुध	10/04/2028	केतु	02/05/2042
गुरु	13/08/2000	शनि	01/08/2011	बुध	12/01/2021	केतु	06/09/2028	शुक्र	01/05/2045
शनि	13/10/2003	बुध	07/06/2012	केतु	13/08/2021	शुक्र	06/11/2029	सूर्य	26/03/2046
बुध	13/08/2006	केतु	12/10/2012	शुक्र	14/04/2023	सूर्य	14/03/2030	चंद्र	25/09/2047
केतु	13/10/2007	शुक्र	13/10/2013	सूर्य	13/10/2023	चंद्र	13/10/2030	मंगल	12/10/2048

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
12/10/2048		12/10/2064		13/10/2083		13/10/2100		14/10/2107	
12/10/2064		13/10/2083		13/10/2100		14/10/2107		00/00/0000	
गुरु	01/12/2050	शनि	16/10/2067	बुध	11/03/2086	केतु	12/03/2101	शुक्र	13/02/2111
शनि	13/06/2053	बुध	25/06/2070	केतु	08/03/2087	शुक्र	12/05/2102	सूर्य	13/02/2112
बुध	19/09/2055	केतु	04/08/2071	शुक्र	06/01/2090	सूर्य	17/09/2102	चंद्र	14/10/2113
केतु	25/08/2056	शुक्र	04/10/2074	सूर्य	12/11/2090	चंद्र	18/04/2103	मंगल	14/12/2114
शुक्र	26/04/2059	सूर्य	16/09/2075	चंद्र	13/04/2092	मंगल	14/09/2103	राहु	10/10/2116
सूर्य	12/02/2060	चंद्र	16/04/2077	मंगल	10/04/2093	राहु	01/10/2104		00/00/0000
चंद्र	13/06/2061	मंगल	26/05/2078	राहु	28/10/2095	गुरु	07/09/2105		00/00/0000
मंगल	20/05/2062	राहु	01/04/2081	गुरु	02/02/2098	शनि	17/10/2106		00/00/0000
राहु	12/10/2064	गुरु	13/10/2083	शनि	13/10/2100	बुध	14/10/2107		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 10 वर्ष 11 मा 19 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था, उस समय मेदिनीय क्षितिज पर वृष लग्न के साथ-साथ सिंह नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण का प्रभाव भी आपके जन्मकाल पर पड़ रहा था। मृगशिरा नक्षत्र के प्रथम चरण में जन्मप्रभाव से ऐसा विदित हो रहा है कि आपके प्रारंभिक जीवन के 28 वें वर्ष से अच्छा समय प्रारंभ हो जाएगा।

वृष लग्न पृथ्वी तत्व का सूचक है। इस लक्षण से आप उत्साह पूर्वक सुख आनंद तथा भोग विलास संबंधी वस्तुओं की प्राप्ति अपने प्रभुत्व रीति से जो कुछ भी हो संभाव्य है। उसके कार्य अथवा कर्तव्य, सेवा कार्यादि यथार्थ रूप से प्राप्त करने की कोई संभावना नही है। आप उपयुक्त समय पर अपने मस्तिष्क को कार्य रूप बनाकर कार्यरंभ एवं कार्य संपादन की प्रतीक्षा करेंगे। कार्यात्मक करने का प्रयास आकस्मिक रूप से अच्छी प्रकार करेंगे। ताकि आप लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कार्य संपादित कर सकेंगे।

आप अपनी योजना के बारे में सैद्धांतिक रूप से पूर्ण एकाग्रचित होकर, कार्यारंभ करेंगे। आप सामान्यतः बहुत शांत चित्त प्रवृति के प्राणी हैं। परंतु यदि कोई भी व्यक्ति आपके रास्ते में आकर आपके उद्देश्य का उलंघन करना अथवा आपको पराजित करना चाहे तो आप निश्चित रूप से बिना हिचकिचाहट के ज्वालामुखी की तरह विस्तृत रूपेण बलपूर्वक अपने शत्रुओं को परास्त कर देंगे। उदाहरण स्वरूप कोई अन्य आपकी उन्नति में बाधा पहुंचाए अथवा इस प्रकार का कोई संदेहात्मक अनैतिक एवं व्यवधानकारी विचार नही करेगा। आप भविष्य की बिना प्रतीक्षा किए पुनः उसे प्रवृत्ति को त्याग देना चाहते है ताकि आपकी छवि धूमिल न हो सके।

आपके लिए आपकी छवि महत्वपूर्ण है। क्योंकि आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली है। आप मध्यम कद के सशक्त मांसल युक्त गठीला एवं ठोस शरीरिक से सशक्त है। आपके विस्तृत कंधे एवं पूर्ण विकसित छाती आपकी प्रतिभा को चमत्कृत करता है।

आप जब आवेश में आकर सांसारिक वासनामय आरामदायक सुखों की तलाश में कामोत्तेजक एवं व्यभिचारिक बहाव में आ जाते है। तो इसकी पूर्ति हेतु अपने गुप्तांगो की क्षति का जोखिम भी उठाकर असीमित सुख भोग में लिप्त हो जाते हैं। आपको इस प्रकार की प्रवृति का त्याग करना चाहिए।

इसके अतिरिक्त आप किसी प्रकार की स्थिति को सुखद बनाने के लिए कृतसंकल्प रहते हैं। आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ शांति एवं प्रसन्नता पूर्वक जीवन बिताना चाहते हैं। आपकी पत्नी अच्छी है जो निरंतर आपके अनुकूल आपकी सहायता के लिए स्वेच्छा पूर्वक प्रस्तुत रहती है। आप अपने परिवार को अच्छी प्रकार चलाने की भूमिका पूर्ण रूपेण संघर्षरत रह कर निभाने के लिए प्रयास करते रहोगे।

आप में दो प्रकार की उत्कंठा विद्यमान है। सर्व प्रथम आप सदैव ही धनोपार्जन करना चाहते हैं तथा दूसरा आपको अपने शारीरिक कष्ट से छुटकारा पाने की उत्कंठा बनी रहती

है। यद्यपि सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथापि आपकी बांह पर कोई साधारण कटने अथवा टूटने के अतिरिक्त आपके कंधों में दर्द हो सकता है। आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहना होगा। क्योंकि आप में स्वास्थ्य लाभ करने की शक्ति क्षीण हो गई है। जिस वजह से आप शीघ्रता पूर्वक पूर्ण रूपेण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने में असमर्थ रहेंगे। हर दृष्टिकोण से यह संभव है कि आप शारीरिक रूप से स्वस्थ्य रहेंगे।

ध्यान दें आपके लिए अनुकूल अंक 2 एवं 8 अंक है जिसे आप उत्तम समझकर व्यवहार में ला सकते हैं। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।